Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

होम डिलीवरी ब्वाय की हर बार होगी थर्मल स्क्रीनिंग

थर्मल स्क्रीनिंग की दैनिक सूचना जिला प्रशासन को भी कराई जाएगी उपलब्ध

आदेश

संवाददाता

देहरादून। दिल्ली में एक डिलीवरी ब्वॉय के कोरोना संक्रमित होने पर 72 परिवारों को क्वारंटाइन करना पड़ गया। ऐसी घटना दून में न हो इसके लिए जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए हैं। जिलाधिकारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने आदेश दिए हैं कि होम डिलीवरी करने वाले प्रतिष्ठान व ई–कॉमर्स कंपनियां अपने सभी कर्मचारियों की थर्मल स्क्रीनिंग कराना सुनिश्चित करे।

जिलाधिकारी के आदेश में कहा गया है कि जो भी डिलीवरी ब्वॉय एक दिन में एक से अधिक बार होम डिलीवरी करता है तो उसका उतनी ही बार तापमान लिया जाए। होम डिलीवरी के लिए रवानगी के पहले भी स्क्रीनिंग की जानी है। यदि किसी व्यक्ति को खांसी–जुकाम के लक्षण पाए जाते हैं तो उनसे किसी भी दशा में काम न लिया जाए। साथ ही इसकी सूचना तत्काल मुख्य चिकित्साधिकारी को उपलब्ध कराई जाए। व्यवस्था के अनुपालन की जिम्मेदारी संबंधित प्रतिष्ठान के मालिक व मैनेजर को दी गई है। थर्मल स्क्रीनिंग की दैनिक सूचना जिला प्रशासन को भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस सूचना को रोजाना शाम छह बजे तक अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) को उपलब्ध कराया जाएगा।

दिल्ली में कोरोना संक्रमित एक पिज्जा डिलीवरी ब्वॉय के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद 72 लोगों को क्वारंटाइन करना पड़ा है। उत्तराखंड में भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अब इसे लेकर संजीदा हो गए हैं।

उनका कहना है कि लापरवाही कभी भी खतरा पैदा कर सकती है। ईश्वर न करे की अगर दिल्ली की तरह की घटना यहां हो गई तो हालात संभालना मुश्किल हो जाएगा। क्योंकि कई वर्किंग क्लास लोग घर में खाना नहीं बनाते तो कई छात्र भी इसी सिस्टम पर निर्भर हैं। इसलिए अभी से इनकी स्क्रीनिंग और मॉनीटरिंग पर जोर दिया जा रहा है।

अनुपालन न करने पर पास होगा निरस्त

आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति के लिए जिस भी प्रतिष्ठान को पास जारी किया गया है, यदि वह थर्मल स्क्रीनिंग की व्यवस्था नहीं करता है तो उसका पास निरस्त कर दिया जाएगा। साथ ही आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई भी की जाएगी।

होटलों में काम करने वालों की स्क्रीनिंग जरूरी

दिल्ली में पिज्जा डिलीवरी ब्वॉय के कोरोना पॉजीटिव पाए जाने के बाद भी शासन–प्रशासन ने कुछ तो सबक लिया है। शहरभर में तमाम कंपनियों के डिलीवरी ब्वॉय घरों तक खाना सप्लाई कर रहे हैं। हालांकि अभी तक इन होटल–रेस्टोरेंट की किचन में काम करने वाले कर्मचारियों और डिलीवरी ब्वॉय की मेडिकल जांच नहीं कराई गई है। ऐसे में इन कर्मचारियों की स्क्रीनिंग जरूरी है।

अब प्रशिक्षण देने की तैयारी कर रहा खाद्य सुरक्षा विभाग

दिल्ली की घटना के बाद हरकत में आए खाद्य सुरक्षा विभाग ने फूड डिलिवरी ब्वॉयज के प्रशिक्षण का निर्णय लिया है। जिला अभिहित अधिकारी जीसी कंडवाल ने बताया कि शुक्रवार को नगर निगम सभागार में तमाम कंपनियों के डिलीवरी ब्वॉयज को शारीरिक दूरी समेत अन्य पहलुओं के बारे में बताया जाएगा।

न्यूज डायरी

इंटरनेट सेवा चौपट

संवाददाता पिथौरागढ । क्षेत्रीय ग्रमीण बैक की बरम शाखा में इंटरनेट सेवा पूरी तरह से चौपट पड चुकी है। जानकारी के मुताबिक इलाके के ग्रमीण 15 किमी दूरी तय कर बैंक में पहुंच रहे हैं। इंटरनेट सेवा में व्यवधान के चलते लोगों को घंटों बैको में खडे रहना पड रहा है। बता दें कि लाकडाउन के चलते बैकों के लिए समय सुबह आठ से दोपहर एक बजे तक का समय निर्धारित है। बैकों में बिजनेस कारापोंडेट तैनात होने के बावजूद ये संचार सेवा देने में नकारा साबित हो रहे है।

मास्क न पहने जाने पर काटे चालान

संवाददाता पिथौरागढ ।जिले में भी कोरेना के बढते संक्रमण को देखते हुए मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। मास्क नही पहनने वालों के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने कारवाही शुरू कर दी है। मास्क नही पहने जाने पर पुलिस द्वारा 35 लोगों के चालान काटे गये । बता दें कि मास्क न पहने जाने पर जिले में 250 रूप्ये तक के चालान काटे जा रहे हैं। कोतवाल ओ पी शर्मा ने बताया कि लाकडाउन का उल्लघन करने वालों व मास्क न पहनने वालों के खिलाफ भी सख्त से कारवाही भी लगातार जारी है।

स्वास्थ्य विभाग की गहराती समस्याओं पर राजकुमार ने खींचा ध्यान

संवाददाता देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति जनजाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक राजकुमार ने देश और प्रदेश में कोरोना वायरस कोविड 19 के संक्रमण की इस दुर्भार्ग्यपूर्ण स्थिति में प्रदेश वासियों की सेवाओं में कार्यरत चिकित्सक, नर्से, पत्रकार, सफाई कर्मचारी तथा स्वास्थ्य विभाग के समस्त स्टाफ को उनकी कार्य कुशलता पर जहां संतोष व्यक्त किया गया वहीं दूसरी ओर समस्याओं के समाधान की मांग की गई।

क्षेत्रीय निवासी शकुन्तला गुसांई ने दिया मानवता का परिचय

संवाददाता देहरादून। सरस्वती विहार विकास समिति अजबपुर खुर्द के तत्वावधान में लगातार जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट नेहरू कॉलोनी थाना के माध्यम से वितरित किये जा रहे है और प्रतिदिन 200 से 300 खाने के पैकेट निर्धन व असहाय लोगों के लिए सामुदायिक भवन सरस्वती विहार ब्लॉक ए में तैयार करके नेहरू कॉलोनी थाना द्वारा वितरित किए जा रहे है। इस अवसर पर सरस्वती विहार निवासी शकुन्तला गुसांई ने मानवता का परिचय देते हुए जरूरतमंदों को भोजन की व्यवस्था के लिए समिति को 25 किलो चावल भेंट किया और कहा कि आने वाले समय में और सहायता प्रदान की जायेगी।

कोरोना वारियर्स की सुरक्षा को प्रदान किये पीपीई किट

संवाददाता देहरादून। मुस्लिम सेवा संगठन के तत्वावधान में मुख्य विकास अधिकारी जनपद देहरादून के माध्यम से जिला प्रसाशन को कोरोना वारियर्स की सुरक्षा के लिए पीपीई किट उपलब्ध कराई गयी।

यहां कचहरी में मुस्लिम सेवा संगठन द्वारा प्रशासनिक अधिकारियो को आश्वासन दिया गया कि भविष्य में भी मुस्लिम सेवा संगठन हर प्रकार से देश हित में सरकार प्रसाशन और देश वासियो के सहयोग हेतु प्रयासरत रहेगा। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष नईम कुरैशी, संरक्षक जावेद खान, प्रधान महासचिव आसिफ हुसैन. उपाध्यक्ष आकिब कुरैशी. महासचिव आरजेतशा सद्दाम कुरैशी. कोषाध्यक्ष मुदस्सिर कुरैशी. महानगर अध्यक्ष मोहम्मद महताब फरहान खान. मोहम्मद शाहनवाज मोहम्मद अनस, कोकब जमाल आदि शामिल थे।

राहत केंन्द्रों में रखे प्रवासी मजदूरों का स्वास्थ परीक्षण करना बना चुनौती

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

■450 से भी ज्यादा मजदूरों को जनपद के सभी 15 राहत केंन्दों में रखा गया

पिथौरागढ। लाकडाउन के चलते मुख्यालय के राहत केंन्दों में रखे गये प्रवासी नेपाली व बिहारी मजूदरों का स्वास्थ परीक्षण करना प्रशासन व स्वास्थ विभाग के लिए काफी चुनौती साबित हो रहा है। बता दें कि जिलें में लाकडाउन के चलते नेपाल के एक हजार मजदूर एवं यूपी व बिहार के 450 से भी ज्यादा के तादात में मजदूरों को जनपद के सभी 15 राहत केंन्दों में रखा गया है।

जानकारी के मुताबिक शिविर में रखे इन मजदूरों का मांसिक स्वास्थ बलाये रखना जिले के प्रशासन व स्वास्थ विभाग के लिए काफी बडी चुनौती का जाल साबित हो रहा है। वही बता दें कि इसी के मददेनजर प्रशासन ने इन मजदूरों के लिए मनोविश्लेषक व काउंसलरों की टीमों को जांच में लगा दिया है।

ताजा जानकारी के मुताबिक यह टीम सभी 15 राहत केन्दों में जाकर रह मजदूर से अलग अलग तरीके से बातचीत कर उनके मांसिक स्वास्थ की जानकारी जुटा रही है। इन मजदूरों की काउंसिल जारी कर दी गई हैं ।

बता दें कि हर हाल में मजदूरों का स्वास्थ परीक्षण जांचना जरूरी है। प्रशासन व स्वास्थ विभाग की टीम ने अब जग तक लाकडाउन नही खुल जाता राहत केंन्द्र में रखे गये इन प्रवासी मजदूरों के मांसिक स्वास्थ परीक्षण करने को लेकर डाक्टरों की अलग से टीम तैयार कर पूरी तरह से मुस्तैद कर ली है।

सूत्रों के मुताबिक अब तक कोई ऐसा मामला सामने नही आया है। यदि कोई ऐसा मामला सामने आता है तो संबधित को पूरा उपचार दिलाना स्वास्थ विभाग के लिए खासी चुनौती भरा साबित होगा। कही न कही अब प्रशासन व स्वास्थ विभाग को टीम को अपने पास तुरंत मुस्तैद रखना होगा।

सब्जी की गाड़ी लेकर जा रहे ड्राइवर व क्लीनर के पास से तीन लाख की स्मैक बरामदी

संवाददाता बागेश्वर। बागेश्वर में कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान बालीघाट तिराहा के पास चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। दोनों सब्ज्जी की गाड़ी में स्मैक तस्करी के लिए ले जा रहे थे। स्मैक की कीमत तीन लाख की आंकी गई है। शुक्रवार को पुलिस ने बालीघट के पास निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान सब्जी की एक गाड़ी की चेकिंग की गई। गाड़ी के क्लीनर नरेन्द्र सिंह बिष्ट पुत्र आनन्द सिंह निवासी– जौलकाण्डे थाना कोतवाली बागेश्वर, उम्र– 26 वर्ष व चालक दीपक सिंह गड़िया पुत्र रमेश सिंह निवासी– द्वारसों, थाना कोतवाली बागेश्वर उम्र– 22 वर्ष के पास से 10.06 ग्राम स्मैक बरामद की गयी। दोनों व्यक्तियों को मौके से गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कोतवाली बागेश्वर में एनडीपीएस एक्ट व 188 आईपीसी में अभियोग पंजीकृत किया गया। दोनों को न्यायालय में पेश के न्यायिक हिरासत में अल्मोड़ा जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक रचिता जुयाल ने बताया कि स्मैक की अनुमानित तीन लाख आंकी गयी है। पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने बताया गया कि मैदानी क्षेत्रों से स्मैक लाकर वो यहां पर बेचते हैं।